

5. अनेकार्थी शब्द (एक से अधिक अर्थ वाले शब्द)



आखिरी विकेट गिरते ही उनकी टीम **हार** गई।

यह **हार** कितना सुंदर लग रहा है।

बच्चो, इन दोनों वाक्यों में 'हार' शब्द का प्रयोग किया गया है, लेकिन पहले वाक्य में जहाँ यह का अर्थ दे रहा है, वहीं दूसरे वाक्य में यह माला या गले में पहनने वाले एक आभूषण का अर्थ है। एक से अधिक अर्थ वाले ऐसे ही शब्दों को 'अनेकार्थी शब्द' कहा जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि

एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्दों को '**अनेकार्थी शब्द**' कहा जाता है; जैसे-
यत्र- पत्ता, चिट्ठी आदि, उत्तर- जवाब, एक दिशा, बाद में आदि, मत- वोट, राय, न का भाव आदि।

कुछ प्रमुख अनेकार्थी शब्द - (केवल शब्द तथा अनेकार्थी शब्द लिखें।)	
अंक - संख्या, गोद, नाटक के भाग	(संख्या / गिनती)
कुछ लोग ग्यारह के अंक को अपने लिए शुभ मानते हैं।	(गोद)
माँ के अंक में बैठकर हर बच्चा निश्चित हो जाता है।	(नाटक का भाग)
नाटक के इस अंक में दिल को छू लेने वाले संवाद हैं।	
अंतर - हृदय, भेद (फ़र्क)	
लोगों के अंतर से दया की भावना निकलती जा रही है।	(हृदय)
इन दोनों चित्रों में कुछ अंतर है।	(भेद / फ़र्क)
अंबर - नभ, वस्त्र	
अंबर पर उड़ते बादल कितने अच्छे लग रहे हैं!	(आसमान)
माँ शारदा श्वेतांबर (श्वेत + अंबर) धारण करती हैं।	(वस्त्र)
अर्थ - मतलब, धन	
श्वेत का अर्थ सफ़ेद होता है।	(मतलब)
हमारे देश की आर्थिक (अर्थ + इक) व्यवस्था में लगातार सुधार हो रहा है।	(धन)
कर - हाथ, टैक्स, करना क्रिया	
स टूर्नामेंट का शुभारंभ सचिन तेंदुलकर के कर -कमलों द्वारा किया जाएगा।	(हाथ)
मैं अपना आय कर समय पर जमा करना चाहिए।	(टैक्स)
हमारे सैनिक बड़ी बहादुरी से देश की रक्षा का कार्य कर रहे हैं।	(करना क्रिया)
कल - आने वाला या बीता हुआ कल, मशीन, पानी के बहने की आवाज़	
कल क्यों नहीं आए? अब आज मत आओ। कल शाम के समय आ जाना।	
(पहला कल- बीता हुआ कल, दूसरा कल- आने वाला कल)	
ह युग कलयुग यानी मशीनी युग है।	(मशीन / मशीनी)
पानी की कल -कल करती धारा कितनी सुंदर लग रही है!	(पानी के बहने की आवाज़)
जड़ - पेड़-पौधों का मूल, मूर्ख	
गद व पीपल की जड़ें बहुत गहरी होती हैं।	(पेड़-पौधों का मूल)
वह एकदम जड़ है, उसे कुछ समझ में नहीं आएगा।	(मूर्ख)

तीर - बाण, किनारा

निर्दय राजा ने **तीर** चलाकर हिरन को मार डाला।
यमुना के **तीर** पर कभी कृष्ण अपने सखाओं के साथ खेला करते थे।

पर - पंख, किंतु, कारक चिह्न

पक्षी **पर** फड़फड़ाते हुए उड़ गए।

अंग्रेजी पढ़ो, **पर** अपनी भाषा हिंदी को भी सम्मान दो।

ये किताबें मेज़ **पर** रख दो।

(के ऊपर के भाव वाला क)

पत्र - पत्ता, चिट्ठी

इस वृक्ष के **पत्र** कितने सुनहरे हैं! / बेल-**पत्र** पूजा के काम आते हैं।

मम्मी ने नाना जी के पुराने **पत्र** दिखाए। / **पत्र** की भाषा सरल होनी चाहिए।

फल - खाने का फल, नतीजा

ये **फल** कितने ताज़ा लग रहे हैं!

यदि मेहनत की जाए, तो उसका **फल** हमेशा अच्छा होता है।

(खाने के फल आम,

(परिणाम/न

भाग - हिस्सा, भागना क्रिया, भाग्य का तद्भव रूप

दस किलो चावलों को चार समान **भागों** में बाँट दो।

चोर पुलिस को देखकर **भाग** खड़ा हुआ।

संसार में हर किसी का **भाग** अच्छा नहीं होता।

(भ

(भाग्य का त

भेद - रहस्य, प्रकार

अंतरिक्ष में अब भी अनेक **भेद** छिपे हुए हैं।

संज्ञा के मुख्य तीन **भेद** होते हैं।

लाल - एक रंग, पुत्र

ग्रह सेब **लाल** रंग का है।

माँ ने अपने प्यारे **लाल** के लिए खिलौना खरीदा।

वर - दूल्हा, वरदान

मंच पर बैठे **वर**-वधू बहुत अच्छे लग रहे हैं।

प्रकृति ने धरती के रूप में हमें बहुत बड़ा **वर** दिया है।

वार - प्रहार, दिन

श्रीराम ने रावण की नाभि पर तीर से **वार** किया।

आज कौन-सा **वार** है?

सोना - नींद, स्वर्ण धातु

हमें पूरे आठ घंटे **सोना** चाहिए।

सोना एक महँगी धातु है।

हल - समाधान, खेत जोतने वाला यंत्र

इस समस्या का कुछ तो **हल** होगा।

(समा)

किसान **हल** चला रहा है।

(एक कृषि)

पाठ एक नज़र में

- एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्दों को 'अनेकार्थी शब्द' कहा जाता है; जैसे- उत्तर- ज
एक दिशा, बाद में आदि; पर- पंख किंतु अधिकरण कारक का चिह्न आदि।